द्वि. आश्विन कृष्ण पक्ष

2 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2020

ऋतु
शरद सूर्य
दक्षिणायन

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	02.10.20	6.18	18.03
अष्टमी	10.10.20	6.22	17.54
अमावस्या	16.10.20	6.26	17.47

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	शुक्र	रेवती	02.10.20	मीन	पंचक, श्री गांधी जी व शास्त्री जयंती अमृत सि. व स. सिद्धि यो. 6.18 से 30.19
द्वितीया	शनि	रेवती	03.10.20	मेष 08.50	पंचक समाप्त 8.50
द्वितीया	रवि	अश्विनी	04.10.20	मेष	द्वितीया तिथि की वृद्धि, सर्वार्थ सिद्धि योग 6.20 से 11.51 तक
तृतीया	सोम	भरणी	05.10.20	वृष 21.39	चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय 20.14
चतुर्थी	मंगल	कृत्तिका	06.10.20	वृष	सर्वार्थ सिद्धि योग 6.21 से 17.53 तक
पंचमी	बुध	रोहिणी	07.10.20	वृष	रोहिणी व्रत, सर्वार्थ सिद्धि योग 6.21 से 30.22 तक
षष्ठी	गुरू	मृगशिरा	08.10.20	मि. 09.42	–
सप्तमी	शुक्र	आर्द्रा	09.10.20	मिथुन	कालाष्टमी व्रत, सर्वार्थ सिद्धि योग 24.26 से 30.22
अष्टमी	शनि	पुनर्वसु	10.10.20	कर्क 18.57	–
नवमी	रवि	पुष्य	11.10.20	कर्क	सर्वार्थ सिद्धि योग 6.23 से 25.18 तक
दशमी	सोम	आश्लेषा	12.10.20	सिंह 24.29	–
एकादशी	मंगल	मघा	13.10.20	सिंह	कमला पुरूषोत्तमा एकादशी व्रत (सबका)
द्वादशी	बुध	पूर्वा फा.	14.10.20	कन्या 25.59	प्रदोष व्रत
त्रयोदशी चतुर्दशी	गुरू	उत्तराफा.	15.10.20	कन्या	चतुर्दशी तिथि का क्षय, मास शिवरात्रि
अमावस्या	शुक्र	हस्त	16.10.20	तुला 25.24	देवपितृ कार्य अमावस्या अधिकमास समाप्त

सम्भव हो तो अधिक मास में पूरे महीने एक समय भोजन का नियम बनाकर व्रत करें और यथासामर्थ्य दान पुण्य करें। यदि मास पर्यन्त संभव न हो तो मास भर में किसी एक पुण्यकालीन दिन में भगवान श्री कृष्ण को मन में विराजमान करके व्रत करें। एक सुन्दर कलश पर लक्ष्मी और विष्णु की मूर्ति विराजमान कर उनका पूजन करें। नैवेद्य में घी, गेहूँ के बने पदार्थ माल पुआ, फल सब्जी आदि का भोग लगावें और अलग अलग वस्तुओं का दान करें।

अधिक मास में इस प्रकार व्रत एवं दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ती होती है और व्रत करने वाले के अनिष्ट समाप्त हो जाते है। अधिक मास में महीने भर श्रद्धा भक्तियुक्त निम्न मंत्र का जप करने से भगवत्-प्राप्ति एवं कल्याण होता है:

गोवर्धनधरं वन्दे गोपालं गोपरूपिणम्।
गोकुलोत्सवमीशानं गोविन्दं गोपिकाप्रियम्।।